



भारतीय फुटवियर और चमड़ा विकास

प्रलिस के लिये:

भारतीय फुटवियर और चमड़ा विकास कार्यक्रम योजना

मेन्स के लिये:

चमड़ा उद्योग, सरकारी नीतियाँ और हस्तक्षेप

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्र सरकार ने 31 मार्च, 2026 या अगली समीक्षा तक 'भारतीय फुटवियर और चमड़ा विकास कार्यक्रम (Indian Footwear and Leather Development Programme- IFLDP)' योजना को जारी रखने की मंजूरी दी है।

- IFLDP को पूर्ववर्ती IFLADP (भारतीय फुटवियर, चमड़ा और सहायक उपकरण विकास कार्यक्रम) की नरितरता के रूप में अनुमोदित किया गया था

भारतीय फुटवियर और चमड़ा विकास कार्यक्रम (IFLDP):

- परचिय:**
 - यह एक **केंद्रीय कषेत्र की योजना** है, जिसका उद्देश्य चमड़ा कषेत्र के लिये बुनयािदी ढाँचे का विकास करना, चमड़ा कषेत्र की वशिषिट पर्यावरणीय च्तिाओं को दूर करना, अतरिकित नविश की सुवधि, रोज़गार सृजन और उत्पादन में वृद्धि करना है।
 - इसे वाणजिय एवं उद्योग मंत्रालय के अंतरगत उद्योग एवं आंतरकि व्यापार संवर्द्धन वभाग द्वारा लॉन्च किया गया था।
- उप-योजनाएँ:**
 - सतत् प्रौद्योगिकी और पर्यावरण संवर्द्धन (STEP)
 - चमड़ा कषेत्र का एकीकृत विकास (IDLS)
 - मेगा लेदर फुटवियर और एक्सेसरीज़ कलस्टर डेवलपमेंट (MLFACD)
 - संस्थागत सुवधिओं की स्थापना (EIF)
 - फुटवियर और चमड़ा कषेत्र में भारतीय ब्रांडों का ब्रांड प्रचार
 - फुटवियर और चमड़ा कषेत्र में डिज़ाइन स्टूडियो का वकि

तत्कालीन IFLDP का प्रभाव:

- यह कार्यक्रम वशिष रूप से महिलाओं के लिये गुणवत्तापूर्ण रोज़गार सृजन, **कौशल विकास**, अच्छे काम, उद्योग को पर्यावरण के अधकि अनुकूल बनाने और एक स्थायी उत्पादन प्रणाली को बढावा देने हेतु लक्षति है।
- देश भर में फेले चमड़े के उत्पादन से संबंधति कषेत्रों ने **सतत विकास लक्ष्यों** में योगदान देकर **लैंगकि समानता**, गरीबी में कमी, कषेत्र-वशिषिट कौशल/शकिषा के कषेत्र में लाभान्वति किया है।
- अन्य **राष्ट्रीय विकास योजनाएँ (NDPs)** जैसे क आर्थकि विकास, रोज़गार सृजन, अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण, बुनयािदी अवसंरचना विकास, ससृती एवं **सुवच्छ ऊर्जा** तथा अन्य पर्यावरणीय लाभ IFLAD कार्यक्रम के माध्यम से अच्छी तरह से प्रदान किये जाते हैं।

भारत के चमड़ा उद्योग की वर्तमान स्थति:

- भारत में चमड़ा उद्योग की हसिसेदारी वैश्वकि चमड़ा उत्पादन का लगभग 13% है और यहाँ लगभग 3 बलियिन वर्ग फीट चमड़े का वार्षकि

उत्पादन होता है।

- यह उद्योग उच्च नरियात आय में अपनी नरितरता के लिये जाना जाता है और यह देश के लिये शीर्ष 10 वदिशी मुद्रा अरजकों में से एक है।
- भारत में चमड़े संबंधी कच्चे माल की प्रचुरता है और इसका कारण है कि भारत में वेशिव के 20% मवेशी और भैंस तथा 11% बकरी और भेड़ की आबादी है।
- चमड़ा उद्योग एक रोज़गार सघन उद्योग है जो 4 मिलियन से अधिक लोगों को रोज़गार प्रदान करता है, जनिमें से अधिकांश समाज के कमज़ोर वर्गों से हैं।
 - लगभग 30% हसिसेदारी के साथ चमड़ा उत्पाद उद्योग में महिला रोज़गार प्रमुख है।
 - भारत के चमड़ा उद्योग में 35 वर्ष से कम आयु के 55% कार्यबल के साथ सबसे कम उम्र का कार्यबल है।
- वर्ष 2022 तक भारत दुनिया में जूते और चमड़े के कपड़ों का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक, चमड़े के कपड़ों का दूसरा सबसे बड़ा नरियातक और चमड़े की वस्तु एवं एक्सेसरीज़ का पाँचवाँ सबसे बड़ा नरियातक है।
- भारत में चमड़े और जूते के उत्पादों के प्रमुख उत्पादन केंद्रतमलिनाडु, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और दल्लिी में स्थति हैं।
- भारतीय चमड़ा और फुटवयिर उत्पादों के प्रमुख बाज़ार अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटन, इटली, फ्रांस, स्पेन, नीदरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, चीन, हॉन्गकॉन्ग, बेल्जियम और पोलैंड हैं।
 - संयुक्त राज्य अमेरिका भारत से चमड़ा और चमड़े के उत्पादों का सबसे बड़ा आयातक है तथा अप्रैल-अगस्त 2022 के दौरान देश के कुल चमड़े के नरियात का 25.19% का नरियात कथिा गया

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/indian-footwear-and-leather-development-programme-1>

